No. of Printed Pages : 6

BPY–005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

December, 2025

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY—II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) Attempt all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Explain the 'Sources of Valid Knowledge' according to Nyaya Philosophy. 20

Or

Give a detailed account of 'Reform Movement' and its impact on 'socio-religious' scenario of India.

2. Discuss the salient features of the philosophy of Radhakrishnan. 20

Or

Examine the 'Theory of erroneous perception' and 'concept of Maya' in Advaita Vedanta.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain the important features of Sri Aurobindo's philosophy. 10

   (b) Give an account of Eight-fold Path of Yoga philosophy. 10

   (c) Discuss the origin and development of Vaishnavism. 10

   (d) Bring out some characteristics of Catholic Ashrams. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Briefly explain Ambedkar's views on 'Social Transformation'. 5

(b) What is the ontological status of the world in Advaita Vedanta ? 5

(c) Give an account of Viparitakhyati. 5

(d) What according to Mimaṁsa Philosophy, is intrinsic validity of knowledge ? 5

(e) Describe the means of liberation in Madhva Vedanta. 5

(f) What kind of social and religious reforms were brought about by Brahmo Samaj ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Substance in Vaiśeṣika Philosophy 4

(b) Stages of C̄itta according to Yoga Philosophy 4

(c) Adhyāsa in Advaita Vedanta 4

(d) Protestant Ashrams 4

(e) ISKCON Movement 4

(f) Kashmir Saivism 4

(g) Satyagraha 4

(h) Cultural and educational rights 4

BPY–005

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन—II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. न्याय दर्शन के अनुसार 'ज्ञान के वैध स्रोतों' की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

'सुधार आंदोलन' और भारत के सामाजिक-धार्मिक परिदृश्य पर इसके प्रभाव का विस्तृत विवरण दीजिए।

2. राधाकृष्णन के दर्शन की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

अद्वैत वेद्वान्त में 'भ्रमात्मक प्रत्यक्ष के सिद्धान्त' और 'माया की अवधारणा' का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) श्री अरविन्द के दर्शन की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) योग दर्शन के अष्टांगिक मार्ग का विवरण दीजिए। 10

(ग) वैष्णव सम्प्रदाय के उद्‌भव और विकास की चर्चा कीजिए। 10

(घ) कैथोलिक आश्रम की कुछ विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) 'सामाजिक रूपान्तरण' पर अम्बेडकर के विचारों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(ख) अद्वैत वेदान्त में जगत् की सत्तामीमांसीय स्थिति क्या है ? 5

(ग) विपरीतख्याति का विवरण दीजिए। 5

(घ) मीमांसा दर्शन के अनुसार ज्ञान की स्वत: प्रामाणिकता से क्या आशय है ? 5

(ङ) माध्व वेदान्त में मोक्ष के साधनों की चर्चा कीजिए। 5

(च) ब्रह्म समाज द्वारा किस प्रकार के सामाजिक और धार्मिक सुधार किये गये ? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वैशेषिक दर्शन में द्रव्य 4

(ख) योग दर्शन में चित्त की विभिन्न अवस्थाएँ 4

(ग) अद्वैत वेदान्त में अध्यास 4

(घ) प्रोटेस्टेण्ट आश्रम 4

(ङ) 'इस्कॉन' आंदोलन 4

(च) काश्मीर शैववाद 4

(छ) सत्याग्रह 4

(ज) सांस्कृतिक व शैक्षणिक अधिकार 4

× × × × ×